हमारे प्रयास एवं नवाचार...

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम्, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरुष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- 16 जुलाई से स्नातक तथा परास्नातक प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर की कक्षाएँ प्रारम्भ।
- पाठ्यक्रम योजना के अनुसार समस्त कक्षाओं का संचालन।
- 01 अगस्त से प्रयोगशालाएँ प्रारम्भ।
- छात्रसंघ का चुनाव अगस्त के अंतिम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- विद्यार्थी, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- सप्ताह में एक दिन छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन।
- छात्र-छात्राओं का मासिक मूल्यांकन।
- महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-छात्रा सहभाग अर्थात् नियन्ता मण्डल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि समितियों में छात्र सदस्य।
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों का गणवेश निर्धारित।
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- सत्रांत पर समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- सत्र में दो बार शिक्षक-अभिभावक एवं पुरातन छात्र परिषद् की बैठक।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में सप्त दिवसीय राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन।
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' (वार्षिक) एवं 'मानविकी' (अर्द्धवार्षिक) नामक शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन।
- प्रत्येक सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन।
- ग्रामीण महिलाओं के स्वालम्बन हेतु योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण बच्चों हेतु निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव को गोद लेकर जनजागरण अभियान द्वारा संस्थागत सामाजिक दायित्व का निर्वहन।
- महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।
- एन.सी.सी., एन.एस.एस. एवं रोवर-रेंजर्स का संचालन।
- बी.एड्. विभाग द्वारा मंझरिया गाँव को गोद लेकर 'मिशन मंझरिया' अभियान के तहत गाँव का सर्वांगीण विकास।
- 'उन्नत भारत' अभियान के अन्तर्गत महाविद्यालय से सटे पाँच गाँवों को गोद लेना।

जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी
जो हठि राखे धर्म को, तिहिं राखै करतार

राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज

स्मृति

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला

दिनांक 20 से 26 अगस्त, 2025

आमंत्रण

सेवा में,
श्रीयुत् _____

_____

_____

आयोजक

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़ - गोरखपुर

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

☎ 7897475917, 9794299451 • Website : www.mpm.edu.in • E-mail : mpmpg5@gmail.com

उद्घाटन समारोह

बुधवार, 20 अगस्त, 2025 • पूर्वाह्न 11.00 बजे से

अध्यक्ष

डॉ. प्रदीप कुमार राव

प्राचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)

मुख्य अतिथि

प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर

सदस्य, आयुष-एन.टी.ई.पी. कोलैबोरेशन तकनीकी समूह
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

समापन समारोह

मंगलवार, 26 अगस्त, 2025 • पूर्वाह्न 11.00 बजे से

अध्यक्ष

श्री रामजनम सिंह

वरिष्ठ सदस्य
महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर (उ.प्र.)

मुख्य अतिथि

श्री रण विजय सिंह

महाप्रबन्धक (से.नि.)
पूर्वोत्तर रेलवे, भारत सरकार

व्याख्यान कार्यक्रम

गुरुवार, 21 अगस्त 2025 • पूर्वाह्न 11.00 बजे से

विषय : **भारतीय ज्ञान परम्परा में रणनीतिक संस्कृति**

वक्ता : **प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा,** आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

शुक्रवार, 22 अगस्त 2025 • पूर्वाह्न 11.00 बजे से

विषय : **उत्तर प्रदेश से उत्तम प्रदेश**

वक्ता : **प्रो. के. वी. राजू,** सदस्य, प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद्, भारत सरकार

शनिवार, 23 अगस्त 2025 • पूर्वाह्न 11.00 बजे से

विषय : **भारतीय ज्ञान परम्परा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020**

वक्ता : **डॉ. अश्वनी मिश्र,** क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

रविवार, 24 अगस्त 2025 • पूर्वाह्न 11.00 बजे से

विषय : **All the Glitters is Definitely not Gold in Indian Rasaśāstra**

वक्ता : **डॉ. वी. रामनाथन,** आचार्य, रसायनशास्त्र विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बी.एच.यू., वाराणसी, उत्तर प्रदेश

सोमवार, 25 अगस्त 2025 • पूर्वाह्न 11.00 बजे से

विषय : **भारतीय ज्ञान परम्परा में योग**

वक्ता : **डॉ. बलवान सिंह,** से.नि. आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, भटवली, उनवल बाजार, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश